

खोज से अनुभूति तक

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

जीवन प्रेम से उत्पन्न होता है और जीवन प्रेम की ही तलाश करता है। जीवन का लक्ष्य भी प्रेम है, और जीवन प्रेम से ही कायम रहता है। इस ग्रह पर ऐसा कोई भी प्राणी या जीवित इकाई नहीं है, जिसने प्रेम को न जाना हो या जो प्रेम से रहित हो। यदि प्रेम सृष्टि में सर्वत्र विद्यमान है, तो फिर प्रेम की तलाश क्यों है? हम प्रेम को क्यों खोजते हैं? जब ये प्रश्न मानव-मन को उद्वेलित करने लगते हैं, तभी किसी की आध्यात्मिक यात्रा का प्रारंभ होता है। प्रेम क्या है? भावनाओं का वर्णन करना सबसे कठिन कार्य है-किसी भी भावना का। भावनाओं को शब्दों में बाँधना या किसी को बौद्धिक रूप से यह समझाना सरल नहीं है कि वह भावना क्या है। यह एक अत्यंत सूक्ष्म और गहन अनुभव है। प्रेम इस सृष्टि का मूल आधार है। वह कभी समाप्त नहीं हो सकता; वह सदैव विद्यमान रहता है। प्रेम दीजिए-वह कई गुना होकर आपके पास लौटेगा। प्रेम वास्तव में कोई मार्ग नहीं है; प्रेम स्वयं ही घर है। प्रेम आपको आपके मूल स्वरूप में वापस ले आता है। प्रेम कोई क्रिया या कर्म नहीं है, यह एक अवस्था है-एक परिणाम है। तत्पश्चात प्रश्न उठता है- मैं इसे कैसे प्राप्त करूँ? यह इच्छा का विषय नहीं हो सकता। जब इच्छाएँ शांत हो जाती हैं, तभी प्रेम का अनुभव संभव होता है। प्रेम को इच्छा का विषय न बनाइए। इच्छा का स्वभाव है- अभी नहीं, भविष्य में कुछ। यह बेचैनी उत्पन्न करती है, जबकि प्रेम का प्रभाव शीतलता से परिपूर्ण होता है। प्रेम को अपनी इच्छाओं का लक्ष्य न बनाइए। जब इच्छाएँ शांत हो जाती हैं, तब यह अनुभव होता है कि प्रेम तो यहीं है। प्रेम सभी इच्छाओं का अंतिम लक्ष्य है, और जब उसे प्राप्त नहीं किया जा सकता, तब घृणा और क्रोध उत्पन्न होते हैं। प्रेम की इच्छा अन्य अपूर्णताओं को जन्म देती है, जैसे निराशा। चाहे इच्छा पूर्ण हो या अपूर्ण, वह अंततः निराशा ही लाती है-यह इच्छा का स्वभाव है। प्रेम को केवल उसकी इच्छा करने से प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि प्रेम तो इच्छाओं के समाप्त होने पर ही प्रकट होता है। प्रेम से विरह उत्पन्न होता है, और विरह ही भगवान है; प्रेम ही भगवान है। विरह के बिना जीवन अर्थहीन हो जाता है। विरह उत्पन्न करना गुरु का कार्य है। लोग संसार के लिए दुःखी होते हैं, किंतु यदि संसार के दुःख से ऊपर उठकर भगवान के लिए विरह उत्पन्न हो जाए, तब साधना पूर्ण हो जाती है। इसलिए विरह का जन्म होना अत्यंत शुभ है।

अज्ञानता-डर से पनपती है मनमानी सत्ता

दीक्षांत समारोह में बोले जस्टिस भुइयां, वैज्ञानिक सोच को बताया जरूरी

शिलांग (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने लोकतंत्र और कानून के शासन को मजबूत करने में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मनमानी सत्ता अज्ञानता, डर और बिना परखे विश्वासों के सहारे पनपती है।

मेघालय के री-भोई जिले में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय (यूएसटीएम) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, जस्टिस भुइयां ने पूर्वोत्तर में शिक्षा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने के लिए संस्थान की तारीफ की। शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच संबंध पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही कानून के शासन की नींव रखता है। उन्होंने आगे कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि मनमानी सत्ता अज्ञानता, डर और बिना परखे विश्वासों के दम पर फलती-फूलती है।

विश्वविद्यालय के सेंट्रल ऑडिटोरियम में आयोजित इस दीक्षांत समारोह में कुल 1,469 छात्रों को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किए गए। इनमें 42 पीएचडी स्कॉलर, 584



पोस्टग्रेजुएट छात्र, 798 अंडरग्रेजुएट छात्र और 45 डिप्लोमा धारक शामिल थे। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज की महासचिव पंकज मित्तल ने दीक्षांत समारोह में मुख्य संबोधन दिया।

इस समारोह में गुवाहाटी हाई कोर्ट के जज - जस्टिस कल्याण राय सुराना, जस्टिस सौमित्र सैकिया, जस्टिस रॉबिन फूकन, जस्टिस करदक एते और जस्टिस उन्नी कृष्णन नायर के साथ-साथ गुवाहाटी हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस पी.के. डेका भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति (वाइस-चांसलर) और प्रमुख भी शामिल हुए। इनमें इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ ओडिशा, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, मिजोरम यूनिवर्सिटी, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधि शामिल थे। यूएसटीएम के कुलपति प्रोफेसर जीडी. शर्मा ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट पेश की, जिसके बाद स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) वितरित किए गए। कुल 29 मेडल बेहतरीन पोस्टग्रेजुएट छात्रों को और 34 मेडल बेहतरीन अंडरग्रेजुएट छात्रों को दिए गए।



तीन दशक से सिनेमा की दुनिया में काबिज ऐश्वर्या

मुंबई (एजेंसी)। 01 नवंबर को अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन अपना जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने साउथ से लेकर बॉलीवुड तक कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। कई इंटरनेशनल फैशन इवेंट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर वे जान फूंक देती हैं। उनकी खूबसूरती के चर्चे होते हैं। अभिनय से वे फैंस पर जादू कर देती हैं। इसी के साथ वे दौलत के मामले में भी कम नहीं हैं। साल 1994 में ऐश्वर्या राय बच्चन ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता। फिर उन्होंने 1997 में तमिल फिल्म इरुवर से अभिनय की शुरुआत की। इसी साल उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी फिल्म और प्यार हो गया से कदम रखे। अभिनय की दुनिया में वे करीब तीन दशक से सक्रिय हैं। उनका जादू आज भी बकरार है। ऐश्वर्या राय बच्चन फिल्मों से मोटी फीस लेती हैं। मगर, फिल्मों के अलावा अन्य स्रोतों से भी उनकी अच्छी-खासी आमदनी होती है। वे एक्टिंग के साथ ही विज्ञापनों में भी नजर आती हैं, जहां उनकी फीस काफी तगड़ी है। इसके अलावा कई इंटरनेशनल ब्यूटी ब्रांड्स के साथ भी वे जुड़ी हुई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्या राय बच्चन एक फिल्म के लिए करीब 10 करोड़ रुपये फीस लेती हैं। वहीं, एक ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए उनकी फीस पांच से सात करोड़ रुपये है। ऐश्वर्या की चर्चित फिल्मों की बात करें तो, मोहब्बतें, ए दिल है मुश्किल, उमराव जान, देवदास, धूम,गुरु, जोधा अकबर, ताल और पोन्नियिन सेलवन में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों पर छाप छोड़ी है।

50 प्रतिशत कर्मचारियों का होगा वर्क फ्रॉम होम

गैर बीएस-वीआई गाड़ियों की एंट्री पर रोक, सख्ती से लागू कराये जायेंगे प्रदूषण रोकने के उपाय : सीएम रेखा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सभी नागरिकों, गाड़ी मालिकों, निर्माण एजेंसियों, संस्थानों और आरडब्ल्यूए से 1 नवंबर से लागू होने वाले वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रतिबंधों का पालन करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड गैर-बीएस-वीआई गाड़ियों पर प्रतिबंध, 50 फीसदी कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम और निर्माण एवं विध्वंस पर रोक समेत उपायों का जिक्र करते हुए कहा कि 1 नवंबर से खास प्रतिबंध लागू होने जा रहे हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग ने इन प्रतिबंधों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर ली हैं। उन्होंने बताया कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, डीपीसीसी, नगर निगम और अन्य संबंधित एजेंसियों को इन नियमों के कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, पर्यावरण विभाग ने कहा कि इन प्रतिबंधों का मकसद प्रदूषण को उसके स्रोत पर ही कंट्रोल करना है। इसके लिए स्पेशल टीम तैनात की जायेगी। साथ ही, एएनपीआर कैमरों और कंट्रोल सेंटर के माध्यम से लगातार निगरानी की जाएगी। जान लें कि सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने विंटर एक्शन प्लान भी तैयार कर लिया है।



1 नवंबर से 31 जनवरी तक दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड उन मोटर वाहनों का संचालन दिल्ली में बैन रहेगा जो बीएस-वीआई या उससे पुराने नियमों का पालन करते हैं। सीएनजी और इलेक्ट्रिक गाड़ी, एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन, पुलिस वाहन और अन्य अधिसूचित छूट मिले वाहनों को छूट दी जाएगी।

धूल पैदा करने वाले सभी विध्वंस और निर्माण कार्यों पर रोक रहेगी। जरूरी पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को निर्धारित शर्तों के तहत छूट दी जाएगी। हालांकि, निर्माण स्थलों पर आंतरिक फिनिशिंग, प्लंबिंग और बिजली के कार्य जारी रह सकते हैं, बशर्ते धूल नियंत्रण मानकों का पालन हो। 1 नवंबर से 28 फरवरी तक पूरी दिल्ली में अधिकृत पार्किंग स्थलों पर पार्किंग शुल्क दोगुना हो जाएगा। वहीं, दिल्ली मेट्रो रेल निगम के स्वामित्व और प्रबंधन वाले पार्किंग स्थल इस बढ़ोतरी से मुक्त रहेंगे।

1 नवंबर से 31 जनवरी तक सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों में कर्मचारियों की अधिकतम 50 फीसदी शारीरिक उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। बाकी कर्मचारी घर से काम करेंगे। हालांकि, जरूरी और इमरजेंसी सेवाओं को निर्धारित छूट दी जाएगी।

ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए, एमसीडी के दफ्तर सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक और दिल्ली सरकार के ऑफिस सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक खुले रहेंगे।

केरलम कांग्रेस की बढ़ीं मुश्किलें

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट के मामले में केरलम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग वाली शिकायत पर याचिका दर्ज की है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, वकील विनीत जिंदल द्वारा 13 अक्तूबर को सीजेआई को भेजी गई एक शिकायत को 30 अक्तूबर को रिट याचिका के रूप में दर्ज किया गया। शिकायत में अधिकारियों को यह पता लगाने का निर्देश देने की भी मांग की गई है कि 12 अक्तूबर, 2026 की शाम सुप्रीम कोर्ट परिसर में राजनीतिक प्रदर्शन और नारेबाजी की अनुमति थी या नहीं। इस प्रदर्शन में राहुल गांधी और अन्य राजनीतिक नेता शामिल हुए थे। शिकायत में यह भी जांच करने की मांग की गई है कि प्रदर्शन से वकीलों, वादियों, न्यायिक अधिकारियों या अदालत के कर्मचारियों की आवाजाही में कोई बाधा तो नहीं आई थी।

सुप्रीम कोर्ट में अवमानना कार्यवाही की मांग वाली याचिका दर्ज

कांग्रेस के आधिकारिक एक्स अकाउंट कांग्रेस केरलम से 12 अक्तूबर को सीजेआई के खिलाफ एक पोस्ट की गई थी। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। इसके बाद इसकी जमकर आलोचना हुई। विवाद बढ़ने के बाद में पार्टी ने पोस्ट हटा दी। बाद में कांग्रेस ने पोस्ट करने वाले जिम्मेदार व्यक्ति को पद से भी हटा दिया। केरलम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने बयान जारी कर कहा कि मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ विवादित संदेश पार्टी के आधिकारिक एक्स अकाउंट से केपीसीसी नेतृत्व की जानकारी, सहमति या परामर्श के बिना पोस्ट किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की निष्पक्षता को लेकर कांग्रेस पार्टी का कोई मतभेद नहीं है।

पंजाब विस चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को झटका

2 विधायकों ने दिया पार्टी से इस्तीफा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहल आप को झटका लगा है और पटियाला के हलका सनौर से विधायक हरमीत सिंह



पठान माजरा की ओर से आम आदमी पार्टी से रिजाइन कर दिया गया है। इसके अलावा पंजाब के समाना से विधायक और पूर्व मंत्री चेतन सिंह जोड़ा माजरा ने भी आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं चेतन सिंह जोड़ा माजरा आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देता हूं। इस तरह आम आदमी पार्टी के 2 विधायकों ने आप का दामन छोड़ दिया है। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के लिए आम आदमी पार्टी ने 31 अक्तूबर को ही कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट में 40 लोगों के नाम थे, जिसमें खुद सीएम भगवंत मान का नाम भी था। सीएम भगवंत मान धुरी से चुनाव लड़ रहे हैं। ये इस लिस्ट से फाइनल हो चुका है।

इसके अलावा चौंकाने वाली बात ये भी है कि आप ने जेल में बंद संजीव अरोड़ा को भी टिकट दिया था। चर्चा इस बात की भी रही कि इस लिस्ट में आप ने किसी भी सिटिंग विधायक की टिकट नहीं काटी थी। आप ने संजीव अरोड़ा को लुधियाना वेस्ट से टिकट दी थी।

गौरतलब है कि पंजाब में विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए बीजेपी एक्टिव मोड में है। हाल ही में देश के गृह मंत्री और बीजेपी के सीनियर नेता अमित शाह ने पंजाब का दौरा किया था और नशे के युवाओं में बढ़ते मामलों को जोर-शोर से उठाया था। अमित शाह ने कहा था कि मैं चिट्टा से परेशान लोगों से मिला। पंजाब की स्थिति जानकर दुख हुआ। एक्सरकार को शर्म आना चाहिए। इस दौरान अमित शाह ने कहा था, 2029 तक पंजाब को नशा मुक्त कर देंगे। पंजाब के हर जिले में नशा माफिया है। ड्रग्स माफिया को पाताल से ढूंढकर निकालेंगे। शाह ने कहा था, मैं आम आदमी पार्टी को याद करवाने आया हूं कि आप 3 महीने में नशे के कारोबार खत्म करने का वादा करके पंजाब की गद्दी पर बैठे हो। 5 साल हो गए। कारोबार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि आपके सिपाही भी पकड़े जाते हैं। उनके पास से 10-12 किलो हेरोइन पकड़ी जाती है। जो नशे के कारोबार का विरोध करते हैं, उन्हें आत्महत्या करनी पड़ती है या मार दिया जाता है।

2017 से पहले अयोध्या तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने को थी विवश : योगी

बोले- अब बनी विकास की नयी पहचान

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर पोस्ट कर अयोध्या की प्राचीन और वर्तमान तस्वीर साझा की। कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रभु श्रीराम की नगरी उपेक्षा, अव्यवस्था और तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने को विवश थी। आज यही अयोध्या अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास का नया अध्याय लिख रही है। सीएम ने लिखा कि अयोध्या सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है। पहले यहां श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन थी, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर थीं और स्थानीय परिवारों के लिए संभावनाएं सीमित थीं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, रामपथ, धर्मपथ, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आधुनिक रेलवे स्टेशन जैसे निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधाओं और रामनगरी के गौरव को बढ़ा रहे हैं। सीएम ने कहा कि विकास का लाभ अब अयोध्यावासियों के घर-आंगन तक पहुंच रहा है। बढ़ता पर्यटन स्थानीय व्यापार को मजबूती दे रहा है। नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई उम्मीदें संजो रहे हैं।



सीएम ने आगे कहा कि कभी विकास की प्रतीक्षा करने वाली अयोध्या आज अपनी विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है। असंख्य सनातनियों की आस्था, अस्मिता और आराधना का केंद्र अयोध्या अब विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ड्रग सिंडिकेट पर एसटीएफ का शिकंजा, चार गिरफ्तार

तस्करी के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने की तैयारी: शुभेंदु

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को बड़ी कामयाबी मिली है। एसटीएफ की टीम ने मालदा जिले



के कालियाचक में मधुघाट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर एक वाहन को रोककर करीब 2.688 किलोग्राम मॉर्फिन बरामद की है। इस कार्रवाई में अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ की सतर्क टीम ने वाहन को रोककर मादक पदार्थ बरामद किया। इस मामले में एक विशेष केस दर्ज किया गया है, ताकि पूरे गिरोह की जड़ तक पहुंचकर उसके नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल पुलिस और एसटीएफ के अधिकारियों व जवानों की त्वरित और समन्वित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल तस्करों, गिरोहों और सिंडिकेट संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आधा सेंटीमीटर से भी छोटे छेद से दूरबीन द्वारा फुल स्पाईन की हर तरह के ऑपरेशन के लिए पूर्वी भारत का पहला केन्द्र

- कोई चीरा नही
- बेहोशी की जरूरत नही
- कम खर्च / रियायती
- खून चढ़ाने की जरूरत नही
- दो घंटे में चलना, दर्द रहित
- अगले दिन छुट्टी

किंग्सवे मेडिकल सेन्टर, पटना
Mob. : 7033000109
(पी.जी. आई. चंडीगढ़ के डाक्टरों द्वारा संचालित)
देश व दुनिया के सर्वोच्च संस्थानों में कार्य अनुभव



डा. आनंद भूषण
MBBS (मणिपाल), MS ऑर्थो, राजस्थान (गोल्ड मेडल)
SRD (पी.जी.आई., चंडीगढ़)
किंग्स कॉलेज, लंदन, UK WWL हॉस्पीटल, राइटिंगटन, इंग्लैंड
हड्डी जोड़, नस, लिगामेंट एवं गठिया रोग विशेषज्ञ
स्पाईन एंडोस्कोपी व ज्वाइंट सर्जन (दूरबीन पद्धति)

अब आपके शहर पटना में राम मनोहर लोहिया हास्पीटल, नई दिल्ली के 25 वर्षो के अनुभवी प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 ए0 के ठाकुर उपलब्ध है।

HEALTHY HEART CLINIC
Dr. A. K. THAKUR
MD, DM, CARDIO (Gold Medalist)
PGI, RML Hospital, New Delhi
Visiting Consultant at
Asian City Hospital, Patna



ECG, ECHO, HOLTER, TMT, ABPM, ILR, ANGIOGRAPHY, ANGIOPLASTY, PACEMAKER ICD, CRTD इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है।
आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत योजना एवं TPA / इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की व्यवस्था
Adult Vaccination Available
एम 2/36, श्रीकृष्णापुरी, मिश्रा फार्मा के बगल में, कृष्णा अपाटमेंट के सामने, बोरिंग रोड, पटना
7061824674, 7250257778

दिवाली के अगले दिन भी रहेगी छुट्टी, विजय सरकार ने लिया फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने दिवाली के अगले दिन यानी नौ नवंबर को प्रदेश में अतिरिक्त अवकाश घोषित किया है। यह छुट्टी सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों में लागू होगी। सरकार ने यह फैसला दिवाली मनाने के लिए अपने घर गए लोगों की वापसी को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से लिया है। इस साल दिवाली आठ नवंबर, रविवार को है। सरकारी आदेश के अनुसार, नौ नवंबर को राज्य में सभी सरकारी कार्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। इस अतिरिक्त छुट्टी की भरपाई के लिए 28 नवंबर, शनिवार को कार्यदिवस घोषित किया गया है।



इससे छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों को त्योहार मनाने के बाद अपने घरों से लौटने के लिए एक अतिरिक्त दिन मिल सकेगा।

दिवाली के अगले दिन चेन्नई की कोयंबेडु सब्जी मंडी भी एक दिन के लिए बंद रहेगी। व्यापारिक संगठनों ने त्योहार से पहले हुई बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया है। इंटीग्रेटेड फेडरेशन ऑफ मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष जीटी राजशेखरन की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि दिवाली तक सब्जियों की सभी दुकानें खुली रहेंगी, ताकि ग्राहक और व्यापारी त्योहार से पहले अपनी खरीदारी पूरी कर सकें।

मंडी बंद रहने के कारण सब्जियों की आपूर्ति पर निर्भर लोगों और व्यापारियों को पहले से जरूरी खरीदारी करने की सलाह दी गई है। दिवाली के दिन कारोबार खत्म होने से पहले लोग अपनी जरूरत के मुताबिक सब्जियां खरीद सकते हैं।

भोपाल में सेना दिवस का शंखनाद : 15 जनवरी को दिखेगा सेना का शौर्य

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर राजधानी भोपाल में सेना दिवस-2027 के आयोजनों की शुरुआत अनूठे अंदाज में हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को शौर्य स्मारक में संकल्प वृक्ष का पौधरोपण किया। इस दौरान प्रदेश के सभी 55 जिलों से लाई गई मिट्टी को वृक्ष में अर्पित किया गया।

55 जिलों की मिट्टी से रोपा संकल्प वृक्ष

मेरी माटी अभियान के तहत हुई यह पहल प्रदेश की एकता, अखंडता और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक बनी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सेना की विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसमें भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम, सामरिक क्षमता और आधुनिक तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में सेना दिवस परेड, रण हुंकार और एकीकृत युद्ध प्रदर्शन की झलकियां भी शामिल हैं। 1मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव का अवसर है कि 1 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक प्रदेश की धरती पर भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। 15 जनवरी को भोपाल में सेना दिवस का मुख्य आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि



इस आयोजन के माध्यम से प्रदेशवासियों को भारतीय सेना के अदम्य साहस, अनुशासन और सामरिक क्षमता को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला, युवा, गरीब और किसान वर्गों को देश के विकास की प्राथमिकता में रखा है। इसी सोच के अनुरूप राज्य सरकार ने भी पांच साल के कार्यकाल में हर वर्ष को एक विशेष वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया है। वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जबकि 2027 युवा वर्ष होगा। इसकी शुरुआत सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित आयोजन से होना प्रदेश के युवाओं के लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री ने एनसीसी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से युवाओं में अनुशासन, देशभक्ति और सैन्य प्रशिक्षण के संस्कार विकसित होते हैं। एनसीसी के अनुभव जीवनभर प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अग्निवीर योजना को भी युवाओं की सेना में भागीदारी और राष्ट्रसेवा की भावना मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 55 जिलों से मिट्टी एकत्रित कर संकल्प वृक्ष के रोपण में उसका उपयोग करना मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है।

अलग-अलग बोलियां, परंपराएं और संस्कृतियां होने के बावजूद प्रदेशवासी एक सूत्र में बंधे हैं। उन्होंने मिट्टी के कलश लेकर आए विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि राष्ट्र और प्रदेश के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने सेना दिवस के आयोजन के लिए रक्षा मंत्रालय, भारतीय सेना, एनसीसी और अन्य आयोजकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सेना के शौर्य और बलिदान को नमन करने का यह विशेष अवसर है और प्रदेश सरकार इसे यादगार बनाने के लिए प्रयास कर रही है।